Regarding the Murthal incident in Haryana during the Jat agitation.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : सभापति महोदय, स्वतंत्रता के बाद लगातार हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की जड़ें मजबूत होती गई हैं। लेकिन आजादी के 67 साल के भीतर लगातार कुछ न कुछ ऐसी घटनाएं कभी जातीय उन्माद, कभी धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक कारणों से शैक्षणिक रूप से समाज में जो कुरीतियां और बुराइयां आती गई हैं, जिसके चलते असहिष्णुता विकसित हुई है। जिसके तहत अभी हाल ही में हरियाणा मे घटना घटी। हरियाणा की इस घटना के बारे में मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि जब 1984 में देश में जो दंगे हुए थे या मुम्बई तथा अन्य जगहों पर घटनाएं घटीं, उनसे कम नहीं, बल्कि बड़ी ही घटना है और दर्दनाक भी है। मुझे समझ में नहीं आता कि जिस तरीके से हरियाणा में समाज में तनाव पैदा हुआ इस घटना के बाद, खासतौर पर जातीय उन्माद को जिस तरह दिखाया गया, बढ़ाया गया है जाटों और गैर जाटों के बीच वह कई सवाल छोड़ देती है। राजनीति और वोट के कारण जिस तरीके से इस तरह की घटनाएं इस देश में बढ़ रही हैं। आदरणीय मंत्री जी यहां मौजूद हैं। इस घटना का रिपरकेशन क्या होगा, कितना समाज तनाव पैदा हुआ, कितने राजनैतिक व्यक्ति आगे-पीछे जाएंगे, मालूम नहीं। कभी किसी सांसद का नाम आता है, किसी बड़े व्यक्ति का नाम आता है। इस घटना की आड़ में मुरथल में बलात्कार की घटना का भी सवाल उठा। इसमें हाई कोर्ट ने कुछ कहा, सरकार ने कुछ कहा, पुलिस ने कुछ कहा और समाज कुछ कह रहा है। यदि ऐसा हुआ है कि मुरथल में बलात्कार हुए हैं या नहीं, तो इसकी एक जांच होनी चाहिए। इस घटना का सूत्रपात कैसे हुआ, किन कारणों से हुआ, यह भी कहा गया कि जे.एन.यू. के आंदोलन में लाठी से पिटाई के कारण शुरूआत हुई हरियाणा में और उसने उग्र रूप ले लिया। फिर उसके बाद आरक्षण का सवाल आया। गुजरात में भी पटेदार आंदोलन के जरिए जिस तरीके से गुजरात को ध्वंस करने की कोशिश की गई, वह तो मैं धन्यवाद देता हूं कि कैसे वह आंदोलन कमजोर पड़ गया, यह मुझे नहीं पता। लेकिन इस तरह की चीजें देश में हो रही हैं। अभी बीरभूम में गोली चली। कोई पोस्ट कर देता है या फेसबुक पर ऐसी बातों को पोस्ट कर दिया गया, किसी भगवान के बारे में, मोहम्मद साहब के बारे में और उसके बाद जिस तरीके से समाज में तनाव होना, गोलियां चलना, रास्ता कर देना, ये चीजें हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करती हैं।

मेरा आपसे आग्रह है कि जिस तरीके से समाज में तनाव पैदा हो रहा है, बराबर घटनाएं, चाहे वह वैमुला की घटना हो या हरियाणा की घटना हो या जेएनयू की घटना हो, गलत हो या सही, देशद्रोही हो या देशद्रोही न हो, हमारे प्रधानमंत्री जी को इस देश के लोकतांत्रिक व्यवस्था और मूल्यों की रक्षा के लिए इन सारे छोटे-बड़े सवालों पर गम्भीरता से विचार करना चाहिए कि लगातार यदि हरियाणा की तरह की घटना घटती रहेगी, समाज में तनाव बढ़ा है, मैं आग्रह करना चाहूंगा कि हरियाणा की पूरी घटना की जांच हो, मुरथल घटना की जांच हो और वहां जो स्थिति विदारक हुई है और दुकानों को जलाया गया है, सरकार पीड़ित लोगों को मुआवजा दे।

माननीय सभापति: श्री भैरो प्रसाद मिश्र को श्री राजेश रंजन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।